लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने संसदीय कार्यकरण की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए सभी दलों में अधिक समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया

नई दिल्लीः 06 जून, 2014: लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने आज 16वीं लोक सभा के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से अपने निर्वाचन के तत्काल बाद संसदीय ज्ञानपीठ में देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

बाद में संसदीय ज्ञानपीठ में एक प्रेस सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि सर्वसम्मति से 16वीं लोक सभा का अध्यक्ष चुना जाना मेरे लिए बड़े गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि सभा की कार्यवाही का निर्बाध और सुचारू संचालन सुशासन की एक महती आवश्यकता है। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को संसदीय कार्य की उच्च परंपराओं को बरकरार रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। श्रीमती महाजन ने यह भी कहा कि 16वीं लोक सभा में कई छोटे राजनैतिक दल हैं जिनमें से कुछ सरकार का समर्थन कर रहे हैं और कुछ विपक्ष में हैं। प्रभावी संसदीय कार्यकरण के लिए यह आवश्यक है कि सभी दलों के बीच समुचित समन्वय हो जिससे हमारे लोकतंत्र की गुणवत्ता में वृद्धि हो। हमारी संसद के प्रभावी कार्यकरण के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर छोटे और बड़े सभी दलों में ऐसे समन्वय की आवश्यकता है ताकि सभा के प्रत्येक वर्ग को कार्यवाही में भाग लेने का पर्याप्त अवसर मिले।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि नई लोक सभा में 300 से अधिक नए सदस्य चुनकर आए हैं और सभा में अनेक अनुभवी सांसद भी हैं। इस संबंध में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संसदीय चर्चा की गुणवत्ता को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है ताकि हमारे लोकतंत्र के कार्यकरण और इसकी गुणवत्ता में भी वृद्धि हो। संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरो नवनिर्वाचित सदस्यों के क्षमता निर्माण के लिए जल्दी ही एक प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित करेगा।

श्रीमती सुमित्रा महाजन ने इस बात पर भी बल दिया कि मीडिया हमारी संसदीय प्रणाली का एक अभिन्न अंग है और इसे उचित ही लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। भारतीय मीडिया ने विश्व भर में हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली के प्रहरी के रूप में ख्याति अर्जित की है। मीडिया के माध्यम से ही देश की जनता को हमारी संसद के कार्यकरण और अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के कार्यनिष्पादन की जानकारी मिलती है। लोक सभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि मीडिया संसद और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है।